CMYK

Website : www.highwaychannel.in

छत्तीसगढ़ का सर्वाधिक प्रसारित शाम का अखबार

हाईवे चैनल

□ वर्ष- 28 □ अंक- 213 □ रायपुर, बुधवार 27 अगस्त 2025 □ पृष्ठ-8 □ मूल्य- 2.50 रुपया • रायपुर • जगदलपुर से प्रकाशित RNI रजिस्ट्रेशन नं. 68139/98

वैष्णो देवी में भूस्खलन से तबाही 32 श्रद्धालुओं की मौत

नई दिल्ली, 27 अगस्त (न्यूज चैनल)। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में माता वैष्णो देवी धाम की तरफ जाने वाले रास्ते पर भारी बारिश से भूस्खलन हो गया। हादसे में 32 श्रद्धालुओं की मौत हो गई है, जबकि करीब 20 लोगों के घायल होने की खबर है। अर्द्धकुंवारी के पास बुए भूस्खलन ने यात्रा मार्ग को प्रभावित कर दिया है। राहत एवं बचाव कार्य जारी है।

आज भी भारी बारिश का अलर्ट

भूस्खलन वैष्णो देवी मंदिर के मार्ग पर स्थित अर्द्धकुंवारी गुफा मंदिर में इंद्रप्रस्थ भोजनालय के पास हुआ। त्रिकुटा पहाड़ी पर स्थित मंदिर मार्ग का बड़ा हिस्सा मलबे में ढेर हो गया है। आशंका है कि मलबे में और भी लोग दबे हो सकते हैं। सेना और प्रशासन राहत एवं बचाव कार्य में जुटे हैं। जम्मू-कश्मीर में हो रही लगातार बारिश से बाढ़ और भूस्खलन की स्थिति पैदा हो गई है। जम्मू में ओवरब्रिज ढह गए हैं, बिजली लाइन और मोबाइल टावरों को नुकसान हुआ है। तीन पुल क्षतिग्रस्त हुए हैं। श्री माता वैष्णो देवी मार्ग पर मंगलवार को भूस्खलन के बाद यात्रा को रोक दिया गया है।

बस्तर में टूटा 94 साल का रिकॉर्ड: लगातार हो रही मूसलाधार बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त

एसडीआरएफ और वायुसेना की टीम कर रही रेस्क्यू

बीजापुर में 100 गांवों का जिले से टूटा संपर्क, कई जगह लोग फंसे

जगदलपुर/रायपुर, 27 अगस्त (हाईवे चैनल)। पहाड़ों और घने जंगलों की खूबसूरती के लिए चर्चित बस्तर इन दिनों बाढ़ जैसी स्थिति का सामना करना है. हालात इतने गंभीर हैं कि विदेश दौरे के बीच मुख्यमंत्री साय ने राहत और बचाव कार्य की जानकारी ली. इस बार बस्तर में बारिश का 94 साल का रिकॉर्ड टूट गया है. एक दिन में 210 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई है. यहां सोमवार रात से लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। मौसम विभाग के डेटा के अनुसार, बस्तर में 94 साल रिकॉर्ड तोड़ बारिश हुई है. 24 घंटे में 217 मिमी बारिश हुई है. इससे पहले 1931 में इतनी बारिश हुई थी। मूसलाधार बारिश के कारण जिले के नदी-नाले उफान पर हैं. कई गांवों का सम्पर्क भी टूट गया है. जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है. सुकमा, दंतेवाड़ा और बीजापुर जिलों में बाढ़ जैसी स्थिति बन गई है. वहीं जगदलपुर में इंद्रावती की सहायक गोरिया बाहर नाला उफान पर है, जिसकी वजह से सांसद निवास कलचा सहित दर्जनों गांवों का संपर्क जगदलपुर शहर से टूट गया है।

जगदलपुर शहर के आधा दर्जन वार्ड भी पानी की चपेट में आ चुके हैं, कई घरों में पानी घुस गया है. इस बीच, गोरिया बाहर नाला में तीजा पर्व पर पूजा के सामान के विसर्जन के लिए महिलाएं, पुरुष और बच्चे पहुंच रहे हैं. जलस्तर कभी भी बढ़ सकता है, फिर भी वहां सुरक्षा व्यवस्था नहीं है और लोग जान जोखिम में डालकर विसर्जन कर रहे हैं. बारिश का सबसे ज्यादा असर लोहंडीगुड़ा के मांदर गांव में देखने को मिला, जहां बाढ़ से 85 परिवारों को विस्थापित होना पड़ा। बाढ़ जैसी स्थिति से प्रभावित क्षेत्रों में वायुसेना के हेलीकॉप्टर की मदद से राहत और बचाव कार्य चलाया जा रहा है. पांच हेलिकॉप्टर से 5 लोगों को रेस्क्यू कर बचाया गया. वहीं रेस्क्यू में एसडीआरएफ की टीम भी जुटी हुई है. एसडीआरएफ की टीम ने 15 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला है। कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र में एनएच 30 पर दरभा के पास एक दुखद हादसे में एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई. मृतकों में पति-पत्नी और उनके दो बच्चे शामिल हैं. हादसा उस समय हुआ जब परिवार की स्विफ्ट डिजायर कार बाढ़ के पानी में बह गई. जानकारी के अनुसार तमिलनाडु का यह परिवार बस्तर घूमने आया था. कार में सवार ड्राइवर ने तैरकर अपनी जान बचाई, लेकिन परिवार के चार सदस्य पानी के तेज बहाव में फंस गए. एडिशनल एसपी महेश्वर नाग ने घटना की पुष्टि की है।

इधर बीजापुर में सोमवार देर रात से झमाझम बारिश का दौर जारी है. इस वजह से पूरे जिले में जन जीवन अस्त व्यस्त हो गया है. भारी बारिश के चलते चेरपाल नदी में आई बाढ़ की वजह से करीब 100 गांवों का संपर्क जिला मुख्यालय से कट गया है. बाढ़ के कारण बीजापुर के कई ग्रामीणों इलाकों में स्थिति भयावह है। बारिश का दौर लगातार जारी होने की वजह से चेरपाल नदी में बाढ़ आ गई है. इस दौरान मंगलवार को रपटा पार करते समय एक ग्रामीण के बह जाने की खबर भी सामने आई. स्थानीय प्रशासन राहत एवं बचाव कार्य में जुटा है. कई जगह तो सड़क यातायात बाधित हो गया है. नदी की पुलिया के दोनों छोर पर वाहनों की लंबी कतारें लगी हुई हैं. वहीं दूसरी ओर इंद्रावती नदी के मरकापाल घाट में फंसे ग्रामीण कृष्णा जुर्री को एसडीआरएफ की टीम ने रेस्क्यू कर सकुशल निकाल लिया है। एहतियातन नदी के किनारे बसे घरों को खाली करवाया जा रहा है और प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे नदी के आसपास न जाएं. इसके साथ ही प्रशासन ने ग्रामीणों को सुरक्षित स्थान पर रहने की सलाह दी है. लोगों से अफवाहों पर ध्यान नहीं देने की भी अपील की गई है। मौसम विभाग के अनुसार, आगामी 24 घंटों में और अधिक बारिश की संभावना जताई जा रही है. बीजापुर में जिला प्रशासन और एसडीआरएफ की टीम लगातार मोर्चा संभाले हुए है।

बाढ़ के पानी में बही कार, पति-पत्नी और दो बच्चों की मौत

इधर कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र में एनएच 30 पर दरभा के पास एक दुखद हादसे में एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई. मृतकों में पति-पत्नी और उनके दो बच्चे शामिल हैं. हादसा उस समय हुआ जब परिवार की स्विफ्ट डिजायर कार बाढ़ के पानी में बह गई। जानकारी के अनुसार, तमिलनाडु का यह परिवार बस्तर घूमने आया था. कार में सवार ड्राइवर ने तैरकर अपनी जान बचाई, लेकिन परिवार के चार सदस्य पानी के तेज बहाव में फंस गए. एडिशनल एसपी महेश्वर नाग ने घटना की पुष्टि की है। एसडीआरएफ की टीम ने देर रात कड़ी मशक्कत के बाद कार में फंसे शवों को बाहर निकाला. सभी शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए जगदलपुर मेडिकल कॉलेज भेज दिया गया है. पुलिस मामले की जांच कर रही है।

राज्य पुलिस सेवा के 7 अधिकारी बने आईपीएस

रायपुर, 27 अगस्त (हाईवे चैनल)। राज्य पुलिस सेवा के सात अधिकारियों को भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) में पदोन्नति मिली है. इसका आदेश आज गृह मंत्रालय भारत सरकार ने जारी किया. आदेश में कहा गया है कि इन अधिकारियों को छत्तीसगढ़ कैडर में सात रिक्त पदों पर नियुक्त किया गया है.

गृह मंत्रालय ने जारी किया आदेश

संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने 26 अगस्त 2025 को चयन सूची 2024 को मंजूरी दी थी. यह सूची चयन समिति की बैठक में 6 अगस्त 2025 को तैयार की गई थी. इस सूची के अनुसार राज्य पुलिस सेवा के सात अधिकारियों को आईपीएस में पदोन्नत किया गया है. आईपीएस बनने होने वाले अधिकारियों में पंकज चंद्रा, भावना पांडेय, विमल कुमार बाईस, हरीश राठौर, वेदव्रत सिरमौर, राजश्री मिश्रा और श्वेता श्रीवास्तव सिन्हा शामिल हैं।

ब्रेकिंग न्यूज

ट्रंप के टैरिफ का भारत समेत 25 देशों ने दिया जवाब, अमेरिका को डाक सेवा में बड़ा झटका

नई दिल्ली, 27 अगस्त (न्यूज चैनल)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत सहित कई देशों पर लगाए गए 50 प्रतिशत नए टैरिफ के बाद, भारत समेत 25 देशों ने संयुक्त रूप से अमेरिका को डाक पार्सल भेजना अस्थायी रूप से बंद कर दिया है। यह कदम ट्रंप प्रशासन के कस्टम नियमों और टैरिफ बढ़ाने के जवाब में उठाया गया है, जो 29 अगस्त से लागू हो गए हैं। नए नियमों के तहत 800 डॉलर तक के छोटे पार्सल पर मिलने वाली टैक्स छूट खत्म कर दी गई है, जिससे भारत जैसे देशों के लिए निर्यात महंगा और मुश्किल हो गया है। अब केवल दस्तावेज और 100 डॉलर तक के उपहार ही भेजे जा सकेंगे। 100 डॉलर से अधिक मूल्य वाले किसी भी सामान पर 50त्न तक टैरिफ लग सकता है, जो भारतीय ई-कॉमर्स और निर्यातकों के लिए चुनौती बन गया है। ऐसे में भारत समेत कई देशों ने अमेरिकी डाक सेवा को पार्सल भेजने पर रोक लगाकर जवाबी कदम उठाया है। ट्रंप के इस फैसले से भारत की अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ने की संभावना है।

बार-बार फोन मिलाते रह गए ट्रंप, मोदी ने नहीं किया रिसीव

नई दिल्ली, 27 अगस्त (न्यूज चैनल)। डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लागू होने के बाद जर्मन अखबार ने दावा किया है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने हाल के हफ्तों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चार बार फोन किया, लेकिन भारतीय नेता ने उनके कॉल को अस्वीकार कर दिया।

चूहा- सुनती हो, भारत पर आज से 50 फीसदी टैरिफ शुरू हो गया है।
चुहिया- हां जी, तो डर किस बात की... भारत तो शुरू से विघ्नहर्ता के भरोसे रहा है..!

ईंट भट्ठे के लिए खोदे गए गड्ढे में डूबने से दो बच्चों की मौत, गांव में पसरा मातम

अंबिकापुर, 27 अगस्त (हाईवे चैनल)। जिले के ग्राम कोरजा में नहाने के दौरान दो मासूम बच्चों की डूबने से मौत हो गई। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, गांव में ईंट भट्ठे के लिए खोदे गए गड्ढे में कुछ बच्चे नहाने गए थे। इसी दौरान रवि शंकर (उम्र 10 वर्ष) पिता लोचन सिंह और अनुराग सिंह (उम्र 10 वर्ष) पिता संतोष सिंह गहरे पानी में डूब गए।

घटना के दौरान मौके पर मौजूद अन्य बच्चों ने घटना की सूचना आसपास मौजुद लोगों को दी, जिसके बाद ग्रामीणों ने किसी तरह दोनों को बाहर निकाला, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। बता दें कि यह घटना लखनपुर थाना क्षेत्र की है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मर्ग कायम करते हुए दोनों शवों को लखनपुर अस्पताल के मर्चुरी में भिजवाया। जानकारी के अनुसार, दोनों बच्चे जमगाला हॉस्टल में रहकर पढ़ाई करते थे। इस दर्दनाक हादसे से पूरे गांव में शोक का माहौल है। वहीं पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

मुख्यमंत्री साय ने जापान से दूरभाष पर ली बस्तर संभाग में बाढ़ की जानकारी

राहत एवं बचाव कार्यों में पूरी मुस्तैदी बरतने के निर्देश

रायपुर, 27 अगस्त (हाईवे चैनल)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपने जापान प्रवास के दौरान छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग में हुई अतिवृष्टि से उत्पन्न बाढ़ की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने राजस्व सचिव एवं आपदा राहत आयुक्त श्रीमती रीना बाबासाहेब कंगाले और बस्तर संभाग आयुक्त डोमन सिंह से दूरभाष पर चर्चा कर राहत एवं बचाव कार्यों की प्रगति जानी और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

राजस्व सचिव श्रीमती कंगाले ने मुख्यमंत्री को बताया कि दंतेवाड़ा, बीजापुर और बस्तर जिले में बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। बस्तर जिले के लोहंडीगुड़ा, दरभा और तोकापाल विकासखंडों में प्रशासन लगातार राहत कार्य संचालित कर रहा है। लोहंडीगुड़ा विकासखंड के ग्राम मांदर से 21 ग्रामीणों को सुरक्षित निकाला गया है। वहीं, लोहंडीगुड़ा क्षेत्र में हेलीकॉप्टर और नाव की सहायता से ग्रामीणों को रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाया गया। बीते 24 घंटों में 68 से अधिक लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया है। मुख्यमंत्री साय ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि एसडीआरएफ को हाई अलर्ट पर रखा जाए और राहत कार्यों में किसी भी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए। उन्होंने संभाग के सभी कलेक्टरों को निचले इलाकों में मुनादी कराकर लोगों को सतर्क करने और सुरक्षित स्थानों पर शीघ्र पहुँचाने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री साय ने राहत कार्यों में जुटे प्रशासनिक अमले, एसडीआरएफ और पुलिस बल के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि राज्य सरकार आम जनता की सुरक्षा के लिए हरसंभव कदम उठाने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि जनता की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। मैंने प्रशासनिक अधिकारियों और एसडीआरएफ को हाई अलर्ट पर रहने और आवश्यकता अनुरूप प्रभावितों को सहायता पहुंचाने के निर्देश दिए हैं।

32 टीएमसी क्षमता वाले गंगरेल बांध में भरा 29 टीएमसी पानी

धमतरी, 27 अगस्त (हाईवे चैनल)। प्रदेश के दूसरे सबसे बड़े बांध गंगरेल में अच्छी वर्षा से पर्याप्त जल भराव है। कुछ दिन पहले से ही बांध 90 प्रतिशत भर चुका है, लेकिन कैंचमेंट एरिया में बारिश कम होने से बांध में आवक घटी है वहीं जावक ज्यादा है।

गंगरेल बांध में पर्याप्त जलभराव के चलते सिंचाई के लिए किसानों की मांग पर पिछले दस दिनों से लगातार पानी छोड़ा जा रहा है। बांध में कुल जलभराव 29 टीएमसी है जो कि 32.150 टीएमसी क्षमता वाले गंगरेल में कुल भराव का 90 प्रतिशत है। चूंकि कैचमेंट एरिया में बारिश हो रही है। इसलिए आवक बढ़ने पर अचानक गेट खोलने की नौबत न आए इसलिए पानी का कम मात्रा में लगातार डिस्चार्ज किया जा रहा है। वैसे भी गंगरेल के 90 प्रतिशत भरने के बाद अगर और आवक होने की संभावना रहे तो पानी छोड़ना शुरु कर दिया जाता है। बता दे कि गंगरेल बांध के गेट नंबर 10, 11 से रुद्री बैराज में पानी जा रहा, वहां से फिर सिंचाई नहर में डिस्चार्ज हो रहा है। बुधवार सुबह 11 बजे की स्थिति में गंगरेल का जलस्तर 347.87 मीटर था, जो कि खतरे के निशान से 83 सेमी. दूर है। वहीं पानी की आवक 4 हजार 955 क्यूसेक हो रही थी तथा जावक 6 हजार 137 क्यूसेक थी, इसमें हेड रेगुलेटर से 300 क्यूसेक, पेन स्टाक से 1650 क्यूसेक तथा रेडियल गेट से 4 हजार 187 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा था। बांध की कुल क्षमता 32.150 टीएमसी में 5.071 टीएमसी को डेड स्टोरेज माना जाता है। इस लिहाज से बांध में कुल जल भराव 29 टीएमसी में से उपयोगी पानी 24.293 टीएमसी है।

- **बांध में हो रही प्रतिसेंकण्ड 4955 क्यूसेक पानी की आवक, 2 गेट से छोड़ा जा रहा 6137 क्यूसेक पानी**

पर्यटकों को सभी 14 गेट खुलने का है इंतजार

बांध में 95 प्रतिशत तक भराव होने पर पूरे 14 गेट खोले जा सकते है। महानदी के किनारे रहने वाले गांवों में अलर्ट जारी किया जा चुका है। तथा अन्य जिले जो गंगरेल बांध से पानी छोड़ने पर बाढ़ से प्रभावित होते है उन्हें भी सूचित कर अलर्ट रहने कहा गया है। तीज त्यौहार के अवसर पर गंगरेल बांध में पर्यटकों की संख्या बढ़ी है। पर्यटको को सभी 14 गेट खुलने का इंतजार है।

आर अश्विन ने अचानक लिया आईपीएल से संन्यास

नई दिल्ली, 27 अगस्त (न्यूज चैनल)। रविचंद्रन अश्विन ने अपने आईपीएल करियर को अलविदा कह दिया है। इस दिग्गज स्पिनर ने ङ्ग पर अपने फैसले की घोषणा की और दुनिया भर में फ्रेंचाइजी क्रिकेट खेलने का संकेत दिया। अश्विन ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर इस फैसले की घोषणा की। इस दिग्गज स्पिनर ने प्रतियोगिता में 221 मैच खेले और 187 विकेट लिए। अश्विन ने बुधवार को एक बयान में कहा यह एक खास दिन है और इसलिए एक खास शुरुआत भी। कहते हैं कि हर अंत की एक नई शुरुआत होती है। एक आईपीएल क्रिकेटर के रूप में मेरा समय आज समाप्त हो रहा है, लेकिन विभिन्न लीगों में खेल के एक अन्वेषक के रूप में मेरा समय आज से शुरू हो रहा है। मैं सभी फ्रेंचाइजी को वर्षों से मिली शानदार यादों और रिश्तों के लिए धन्यवाद देना चाहता हूँ, और सबसे महत्वपूर्ण बात, आईपीएल और बीसीसीआई को, जो उन्होंने मुझे अब तक दिया है, उसके लिए धन्यवाद देना चाहता हूँ। आगे जो भी है उसका आनंद लेने और उसका पूरा लाभ उठाने के लिए उत्सुक हूँ। चेन्नई सुपर किंग्स द्वारा 9.75 करोड़ रुपये में खरीदे जाने के बाद अश्विन की इस साल शानदार वापसी हुई। लेकिन उनका सीज़न निराशाजनक रहा, उन्होंने केवल नौ मैच खेले और सात विकेट लिए। इस महीने की शुरुआत में, क्रिकबज़ ने बताया था कि अश्विन और सीएसके अलग होने वाले हैं।